REPORTS OF THE DEPARTMENT RELATED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON RAILWAYS

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी (राजस्थान): महोदय, मैं विभाग-संबंधित रेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के निम्नलिखित प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति (अंग्रेजी तथा हिन्दी में) सभा पटल पर रखता हूं:—

(i) Nineteenth Report on action taken by the Government on the recommendations/observations contained in the Fifth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Railways (2004-2005) on 'Safety and Security in Indian Railways'; and

(ii) Twentieth Report of the Committee on "Demands for Grants (2006-2007)" of the Ministry of Railways.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Demand to build a Museum at Patna in remembrance of Lord Buddha

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड): उपसभापति महोदय, आज मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल इस सदन के माध्यम से देश के सामने रखना चाहता हूं। यह देश महात्मा बुद्ध के जन्म दिन का 2550वां साल मना रहा है और भगवान महात्मा बुद्ध का अस्थि-कलश पटना के म्युजियम में रखा हुआ है। इस देश में और दुनिया में जो-जो दूसरे धर्मों के गुरू लोग रहे या संस्थापक लोग रहे, उन सब लोगों, की जो भी इस तरह की जगह हैं, उन जगहों को बड़े सम्मान से एक राष्ट्रीय संग्रहालय के रूप में, अलग से बनाकर रखा गया है। इसी देश में गोवा में सेंट फ्रांसिस का शव आज भी रखा हुआ है, इसी देश में मोहम्मद पैगम्बर साहब का बाल हजरत बल में रखा हुआ है। बिहार के पटना में पाटिलीपुत्र जहां पर भगवान बुद्ध का अस्थि-कलश तमाम इतिहासकारों के द्वारा तय करने के बाद, वहीं अस्थि-कलश उनका माना गया, वह अस्थि-कलश म्युजियम में रखा हुआ है, जहां सारे बिहार की और देश की महत्वपूर्ण चीजें हैं, जिन्हें हमारे पुरातत्व विभाग ने बचाकर रखा है, वहीं पर उसे भी रखा गया है।

आज मेरा सौभाग्य है कि पर्यटन मंत्री जी भी यहां पर बैठी हुई हैं, इस मौके पर मैं सरकार से और खासतौर से पर्यटन मंत्री से यह गुजारिश करना चाहता हूं कि भगवान बुद्ध का यह अस्थि-कलश 2550वां सालगिरह मना रहा है, तो उनका एक बढ़िया सा संग्रहालय बनाकर, उस अस्थि-कलश को ऐसी जगह पर रखा जाये, जहां दुनिया के सारे लोग आकर अपनी श्रृद्धांजलि और अपना सिर

झुका सकें। मैं चाहूंगा कि माननीय पर्यटन मंत्री इस पर अपना जबाव दें और इस सदन को अवगत करा दें, तो पूरे देश भी में और दुनिया भर में फिर से एक बार पाटिलीपुत्र की उस धरती पर जहां भगवान बुद्ध का अस्थि-कलश रखा है, उसका मान और सम्मान बढ़े। धन्यवाद।

श्री गांधी आज़ाद (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार): उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी (राजस्थान): उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री प्रवीण राष्ट्रपाल (गुजरात): उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री उपसभापति: आप केवल एसोसिएट करिये। पूरा हाउस एसोसिएट करता है।

श्री दिग्विजय सिंह: सर, हमारी पर्यटन मंत्री जी से दरख्वास्त है कि वे कम से कम इसका जबाव दे दें, क्योंकि वे पर्यटन को काफी इस देश में बढ़ावा दे रही हैं।

पर्यटन और संस्कृति मंत्री (श्रीमती अम्बिका सोनी): सर, मैं आपके माध्यम से सदन को सूचित करना चाहती हूं कि यूपीए सरकार की यह मान्यता है कि इस वर्ष विशेष तौर पर तमाम उन कार्यों को हम अपने हाथ में लें, जिससे 2550 साल जो महापरिनिर्वाण के हम मना रहे हैं, उसको और शोभा मिले और जो माननीय सदस्य ने यहां सुझाव दिया है, उसको भी देखना है कि यह शायद वैशाली से पटना लाये गये हैं, उसके बारे में हम बातचीत करके जो भी इस बारे में कर सकते हैं, वह जरूर करेंगे।

Appeal to accept the findings of the Justice Mukherjee Commission of Enquiry

DR. BARUN MUKHERJEE (West Bengal): Hon. Deputy Chairman, Sir, I would like to raise a matter of great public interest. The whole country was eagerly waiting for the Report of the Justice Mukherjee Commission of Enquiry regarding the alleged disappearance of Netaji Subhash